जब कि जोन हटा दिए हैं और फ्री ट्रेड है, फिर ऐसा क्यों हैं ? (इति)

[ii] Power Crisis in Bihar

श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा (आरा) : उपाध्यक्ष महोदय, विहार में विद्युत संकट के कारण स्थिति वड़ी दयनीय है । कई वर्षों से इस राज्य में विद्युत उत्पादन क्षमता ताप विद्युत-शदित से 795 मेगावाट तथा पन-बिजली प्रतिष्ठानों से 150 मेगावाट है यानी कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 945 मेगावाट है ।

विगत दस वर्षों से सिर्फ लगभग 200 मेगावाट की वृद्धि हुई है । विहार में अभी 2500 मेगावाट विद्युत-उत्पादन का संयंत्र चाहिये । जो कुल उत्पादन-क्षामता 945 मेगावाट की है, इसमें एक-चौथाई संयंत्र भी सही ढंग से आज काम नहीं कर रहा है। कुल मिलाकर लगभग 200 मेगावाट से अधिक शक्ति अभी भी काम नहीं कर रही है ।

विद्युत संकट के कारण पेयजल की पूरे राज्य में गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है । 72 घंटों तक बिजली बन्द रहने के कारण पेयजल की समस्या ने लोगों को व्याकुल कर दिया है । औद्योगिक प्रतिष्ठानों में 72 घंटों तक काम बंद रहा ।

विगत खरीफ की फसल विद्युत की कमी के कारण ही नष्ट हो गई । गांव में एक-एक सप्ताह तक विजली गायब रहती है, जिसके कारण लोग विजली के तार तथा ट्रान्सफार्मर्स चुरा कर ले जाते हैं ।

अत : सरकार से मेरा आग्रह है कि जो भी विहार में आज विद्युत की उत्पादन क्षमता है उसे ज़्यादा से ज़्याद संयंत्रों को ठीक करके आपूर्तिकराई जाए तथा नई विद्युत परियोजनाओं को शीघ्रातिशीघ्र चालू किया जाए ।

(iii) Demand for relief to farmers whose crops have been destroyed by recent rains and hail-storm

श्री कृष्ण प्रकाश तिवारी (इलाहावाद) : उपाध्यक्ष महोदय, पंजाव, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश में हाल की असामयिक वर्षा एवं ओला वृष्टि से खेतों में खड़ी रवी की फसल एवं खालिहानों में आई फसल की अत्यधिक क्षति हुई है जिसके वारे में समाचार-पत्रों में भी समाचार छपे हैं ।

यह दुर्भाग्य ही है कि पिछले वर्ष भी इन्हीं क्षेत्रों में असामयिक वृष्टि एवं उपल वृष्टि हुई थी जिससे किसानों का बड़ा नुकसान हुआ था तथा अनाज का उत्पादन आशा से कम हुआ था तथा कहीं-कहीं पारसाल की देवी मार से किसान संभल नहीं पाया था कि इस वर्ष पुन : वही देवी विपत्ति आई ।

मेरा कृषि मंत्री जी से निवेदन है कि असामयिक वृष्टि तथा उपल वृष्टि से प्रभावित किसानों, गांवों तथा नजपदों को राहत देने की व्यवस्था करें ।

(iv) *Need for a Judicial Enquiry into the Incident in which seven Customs Officials lost-lives in Madras*

DR. A. KALANIDHI (Madras Central) : The lives of seven Customs officials have been lost under tragic circumstances, when a launch carrying the party of Customs officials capsized on the morning of 15.4.1983.

The Madras Customs House which boasts of several large seizers, does not have